UDYAM-BR-0010266

केशव न्यूज

अनमोल वचन

सफल व्यक्ति वह है जो खुद पर फेंकी गई ईटों से मजबूत नीव बना ले

www.keshavtv24.com शुक्रवार 24 जनवरी 2025 बर्ष 01 अंक 01 पृष्ठ 4 keshavtvbihar@gmail.com

आस पास की खबरें

संवाददाता केशव न्यूज

इंटर और मैट्रिक परीक्षा : एक बेंच पर दो परीक्षार्थी ही बैठेंगे

इंटर और मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2025 के दौरान यदि किसी परीक्षा केंद्र पर बेंच–डेस्क की कमी होती है, तो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को इसकी व्यवस्था करनी होगी। प्रत्येक बेंच पर अधिकतम दो परीक्षार्थी बैठेंगे, और दो बेंचों के बीच पर्याप्त दूरी रखी जाएगी। इसके साथ ही, 25 परीक्षार्थियों पर एक वीक्षक की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा हॉल में न्यूनतम दो वीक्षक रहेंगे।

सभी वीक्षक परीक्षा शुरू होने से पहले एक विहित घोषणापत्र में यह घोषणा करेंगे कि उनके प्रभार में 25 परीक्षार्थियों की जांच की जा चुकी है और उनके पास कोई आपत्ति. जनक सामग्री नहीं पाई गई है। इंटर परीक्षा 1 से 15 फरवरी तक और मैट्रिक परीक्षा 17 से 25 फरवरी तक दो पालियों में आयोजित होगी।

सीट प्लानिंग इस प्रकार की जाएगी कि परीक्षा कक्ष में प्रत्येक रोल कोड के सभी परीक्षार्थी आरोही क्रम में बैठ सकें, जिससे उनके मुद्रित रोल नंबर वाली उत्तरपुस्तिका और ओएमआर उत्तर पत्रक को परीक्षार्थियों के बीच वितरित करने में कोई परेशानी न हो। परीक्षा के बाद उत्तरपुस्तिका और ओएमआर उत्तर पत्रक का संग्रह करने में भी कोई कठिनाई नहीं होगी।

सीट प्लान की एक प्रति परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार और परीक्षा केंद्र के परिसर में ब्लैक बोर्ड पर बड़े–बड़े अक्षरों में चिपका दी जाएगी। साथ ही, एक प्रति परीक्षा केंद्र पर रखी जाएगी और एक प्रति उसी दिन प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के हस्ताक्षर के साथ बोर्ड के सचिव को भेजी जाएगी।

परीक्षार्थी अपने बैग या पॉलीथिन थैलों को परीक्षा कक्ष के बाहर ही रखें, और परीक्षा केंद्र के बाहर यह सूचना लगाई जाएगी कि कोई भी छात्र नकल करनेवाले उपकरणों के साथ भीतर प्रवेश न करें।

बिहटा महाजाम से निजात के लिए नए फैसले

सरकार ने बिहटा महाजाम से निजात पाने के लिए तीन अहम फैसले लिए हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि जाम प्रभावित क्षेत्रों में 24 घंटे पुलिस तैनात की जाएगी और छोटे वाहनों को निकाला जाएगा।

मनभावन चौक से झंगा चौक तक 5 किमी सड़क की मरम्मत की जाएगी, जिससे ट्रकों से जाम की समस्या कम होगी। पटना–बिहटा मार्ग को कन्हौली चौक से को. ईलवर फोरलेन तक चौड़ा किया जाएगा।

इसके अलावा, अरवल–बिक्रम से आने वाली बालू गाड़ियों के लिए नगहर से परेब तक 23 किमी लंबा नया वैकल्पिक मार्ग बनेगा, जिससे जाम पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

बिहार में 2005 से पहले सिर्फ बातें होती थीं : नीतीश कुमारसहरसा में मुख्यमंत्री ने 210 करोड़ रूपये की लागत से 52 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मौनी अमावस्या के दिन 8–10 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना

संवाददाता केशव न्यूज

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी 'प्रगति यात्रा' के दौरान सहरसा में समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए इशारों में राजद पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2005 से पहले बिहार में जो लोग सत्ता में थे, उन्होंने कोई ठोस काम नहीं किया। वे केवल बातें बनाते थे और उन्हें वोट भी मिल जाता था। उस समय हिंदू–मुस्लिम विवाद रा. जाना सुर्खियों में रहता था। हमारी सरकार ने इन सभी समस्याओं को खत्म कर स्थिति में सुधार किया। नीतीश कुमार ने 2008 में कोसी नदी का बांध टूटने से हुए नुकसान का जिक्र करते हुए कहा कि हमने कर्ज लेकर पुनर्वास और पुनर्निर्माण का काम पूरा किया। बाकी बचे कार्य जल्द ही पूरे कर लिए जाएंगे। सहरसा में मुख्यमंत्री ने 210 करोड़ रुपये की लागत से 52 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने शिक्षा,

स्वास्थ्य, सड़क, पुल–पुलिया, कब्रिस्तान–मंदिर घेराबंदी, शिक्षकों की नियुक्ति, नए मेडिकल कॉलेज आदि में हुए सुधारों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने 9 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी है और 24 लाख लोगों को रोजगार प्रदान किया है। इस साल 12 लाख और लोगों को नौकरी और 34 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

1. कोसी क्षेत्र पुनर्वास– कोसी क्षेत्र में पुनर्वास के शेष कार्यों को जल्द पूरा किया जाएगा।
2. मां उग्रतारा धाम का विकास– मां उग्रतारा धाम क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।
3. तिलावे नदी की सफाई– तिलावे नदी की उड़ाही कराई जाएगी।
4. सहरसा में ड्रेनेज सिस्टम– सहरसा नगर निगम क्षेत्र में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम विकसित होगा।
5. खेल परिसर– जिला मुख्यालय में खेल परिसर का विकास होगा।
6. रेलवे ओवरब्रिज– सहरसा शहर के बंगाली बाजार में रेलवे ओवरब्रिज बनाया जाएगा।
7. वाटर चौनल की उड़ाही– औकाही गांव (सत्तर कटैया) से चौनपुर होते हुए कोपरिया तक वाटर चौनल की सफाई होगी।
8. सहरसा हवाई अड्डा– सहरसा हवाई अड्डा से छोटे विमानों की उड़ान शुरू करने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा।
9. नए कार्यालय भवन– बनमा इटहरी और सत्तर कटैया प्रखंड में प्रखंड–अंचल कार्यालयों के नए भवन बनाए जाएंगे।

बीपीएससी पीटी को लेकर एक और याचिका दायर

फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़े गए विदेशी नागरिकों ने गुनाह कबूल किया

संवाददाता केशव न्यूज

बीपीएससी द्वारा आयोजित 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना हाईकोर्ट में एक और रिट याचिका दायर की गई है। यह याचिका प्रशांत शेखर और अन्य द्वारा दायर की गई है। याचिका में आयोग द्वारा जारी की गई उत्तर कुंजी में कई उत्तरों में बड़े पैमाने पर अनियमितता की बात कही गई है। याचिकाकर्ताओं ने अदालत से 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर नए सिरे से परीक्षा कराने की अपील की है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि पटना स्थित एक परीक्षा केंद्र को रद्द कर 4 जनवरी को पुनः परीक्षा आयोजित की गई थी। इस मुद्दे को लेकर पहले भी कई याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं, जो अभी भी सुनवाई के लिए लंबित हैं।

पटना हाईकोर्ट ने फिल्म इमरजेंसी के प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। यह याचिका राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की बहू कल्पना सिंह ने दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि फिल्म में दिनकर की प्रसिद्ध कविता सिंहासन खाली करो कि जनता आती है का बिना अनुमति उपयोग किया गया है, जो कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है। कोर्ट को बताया गया कि इस बाबत 31 अगस्त 2024 को एक लीगल नोटिस भेजा गया था, लेकिन फिल्म निर्माता की ओर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद याचिका दायर की गई, और कोर्ट ने फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जबकि फिल्म स्टार और सांसद कंगना रनौत और अन्य को नोटिस जारी किया है।

पटना हाईकोर्ट ने पश्चिम चंपारण जिले के हारनाटांड स्थित एसटी छात्राओं के एकमात्र स्कूल की स्थिति और बिहार राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के रिक्त अध्यक्ष पद को भरने के मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विकास कुमार पंकज ने कोर्ट को बताया कि एसटी छात्राओं के स्कूल की स्थिति दयनीय हो गई है और आयोग के अध्यक्ष का पद पिछले साल फरवरी से रिक्त पड़ा हुआ है। 25 फरवरी को इस मामले की अगली सुनवाई होगी।पटना आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की पटना सिविल कोर्ट स्थित विशेष अदालत में फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़े गए दो विदेशी नागरिकों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपी खैरुल मंडल और अबू सुल्तान ने अदालत में आवेदन देकर स्वेच्छा से अपना गुनाह स्वीकार किया। अदालत ने उनका कबूलनामा स्वीकार करते हुए भारतीय दंड विधान की धारा 465, 471, 120 और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 18, 18बी और फॉरेन एक्ट की धारा 14 सी के तहत दोषी करार दिया। सजा पर सुनवाई 24 जनवरी को होगी। यह मामला 24 मार्च 2019 का है, जब एटीएस थाने की पुलिस ने पटना जंक्शन के मुसाफिरखाना में छापेमारी कर तीन संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था, जिनके पास फर्जी भारतीय नागरिकता के दस्तावेज थे। पूछताछ में यह सामने आया कि वे बांग्लादेश के नागरिक हैं। अब इस मामले में तीसरे आरोपी शरीयत मंडल के खिलाफ सुनवाई जारी है।

मौनी अमावस्या : 29 को सिद्धि योग और श्रवण नक्षत्र के संयोग में मनेगी

माघ मास की मौनी अमावस्या 29 जनवरी को उत्तराषाढ़ा और श्रवण नक्षत्र के संयोग में मनाई जाएगी। इस दिन सिद्धि और वज्र योग का भी प्रभाव रहेगा, जिससे यह अमावस्या और भी पुण्यदायिनी बन जाती है। इसे मनु अमावस्या भी कहा जाता है क्योंकि इसी दिन ऋषि मनु का अवतरण हुआ था। मान्यता के अनुसार, इस दिन समस्त देवी–देवता पवित्र संगम में निवास करते हैं, और इसलिए गंगाजल अमृत के समान हो जाता है। मौनी अमावस्या के दिन गंगा या संगम में स्नान करने से तन–मन को शुद्धि मिलती है और पापों का नाश होता है। इस दिन स्नान करने से निरोग काया मिलती है और दुख–दर्द तथा दरिद्रता से मुक्ति प्राप्त होती है। साथ ही, यह दिन कार्यों में सफलता और समृद्धि प्राप्त करने के लिए भी विशेष है। इस दिन साधु, महात्मा और संत मौन रहते हैं, और यह समय तर्पण, पि. ंडदान और श्राद्ध करने के लिए अत्यंत शुभ है। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा के अनुसार, इस दिन पितरों का तर्पण और श्राद्ध करने से पितृदोष से मुक्ति मिलती है और पितर वंश वृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

मौनी अमावस्या पर किए गए पुण्य कार्यों का फल सौ गुना अधिक होता है। इस दिन स्नान, दान, जप, तप, पूजा–पाठ और हवन करने से विशेष लाभ मिलता है। मौन धारण करने से विशेष ऊर्जा की प्राप्ति होती है। गंगा या संगम स्नान से तीन प्रकार के पापों (दैहिक, भौतिक और दैविक) से मुक्ति मिलती है। तिल तेल, तिल के लड्डू, वस्त्र, आंवला, कंबल, उड़द, दर्पण, और जूते का दान करने से ग्रह जनित दोष से छुटकारा मिलता है।

यदि किसी की कुंडली में चंद्रमा नीच है, तो इस दिन दूध, चावल, खीर, मिश्री और बताशा दान करना शुभ होगा। कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए चांदी के नाग–नागिन की पूजा कर श्वेत पुष्प के साथ बहते जल में प्रवाहित करें। शाम को ईशान कोण में घी का दीपक जलाने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

दान के फल के बारे में कहा जाता है कि चावल दान करने से आरोग्यता और धन में वृद्धि होती है, चूड़ा दान से दरिद्रता का नाश होता है, तिल, गुड़, तेल और दर्पण का दान पितृदोष से मुक्ति दिलाता है, नारियल प्रवाह से मनोवांछित कामनाओं की पूर्ति होती है, और फल और वस्त्र दान करने से विशिष्ट पुण्य की प्राप्ति होती है।

मौनी अमावस्या का यह दिन विशेष रूप से पुण्य फल देने वाला है, और इस दिन किए गए शुभ कार्यों से जीवन में समृद्धि और सुख–शांति का वास होता है।

नालंदा में किसानों का अनोखा प्रदर्शन, मांगों के लिए सड़कों पर फेंकी सब्जियां,

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा जिले के हिलसा प्रखंड में गुरुवार को किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। रामबाबू हाई स्कूल के पास किसानों ने अपनी उपज सड़कों पर फेंक दी। उनका कहना था कि प्रशासन उन्हें हिलसा शहर के उत्तरी भाग में सब्जी बेचने से रोक रहा है। किसान उदय कुमार ने बताया कि वे कई वर्षों से इस स्थान पर सब्जी बेचते आ रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने अचानक उन्हें वहां से हटाने का आदेश दिया है। किसानों का आरोप है कि नई जगह जो प्रशासन ने ककड़िया मोड़ के पास चिह्नित की है, वह शहर से काफी दूर है। वहां सब्जी ले जाना न केवल मुश्किल है, बल्कि ग्राहक भी कम मिलेंगे। प्रशासन के अनुसार, सड़क किनारे सब्जी मंडी लगाने से यातायात बाधित होता है और शहर की सुंदरता पर भी असर पड़ता है। यह निर्णय ट्रैफिक समस्या को हल करने के लिए लिया गया है। सड़क किनारे मंडी लगाने के कारण जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी। इसे देखते हुए प्रशासन ने ककड़िया मोड़ के पास किसानों के लिए जगह आवंटित की थी, लेकिन किसान वहां जाने से हिचक रहे हैं। किसानों का कहना है कि नई जगह पर ग्राहकों की संख्या कम होने से उनकी बिक्री प्रभावित होगी। प्रशासन ने कहा है कि किसानों की समस्याओं को समझते हुए उनके साथ विचार–विमर्श कर समाधान निकाला जाएगा।

मूर्ति स्थापना के लिए लाइसेंस अनिवार्य

सरस्वती पूजा और शब-ए-बारात के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, डीजे पर प्रतिबंध

शांति व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा में आगामी सरस्वती पूजा और शब–ए–बारात को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर के अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वाहन गश्ती और पैदल गश्ती दल लगातार सक्रिय रह. ेंगे। सभी विसर्जन स्थलों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। स्कूल, छात्रावास और कोचिंग संस्थानों में मूर्ति स्थापना के लिए संस्थापक के नाम पर ही लाइसेंस जारी किया जाएगा। छात्रों के नाम से ला. इसेंस जारी नहीं किए जाएंगे। 26 जनवरी 2025 तक सभी मूर्ति स्थापनाओं के लिए लाइसेंस निर्गत करना अनिवार्य होगा।

सभी मूर्ति स्थापना के लिए लाइसेंस अनिवार्य होंगे। लाइसेंस धारकों को विसर्जन का रूट और समय पहले से तय करना होगा। पूजा पंडालों में रात्रि के समय वॉलिंटियर्स की तैनाती की जाएगी। पंडालों में अग्नि सुरक्षा, प्रवेश और निकास द्वार, भीड़ नियंत्रण और गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी नजर रखने के प्रबंध किए जाएंगे। पूजा पंडालों के आसपास यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

त्योहारों के दौरान डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। शराब के सेवन पर भी सख्ती से रोक लगाई जाएगी। सभी पुलिस अधिकारी सुरक्षा उपकरणों के साथ तैनात रहेंगे। गश्ती दल और त्वरित कार्रवाई बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्कता बरतें और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास करें। जिला प्रशासन की यह पहल सुनिश्चित करेगी कि सरस्वती पूजा और शब–ए–बारात का पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो।

गणतंत्र दिवस पर सम्मानित होगी मान्या रंजन

संवाददाता केशव न्यूज

बिहारशरीफ– गणतंत्र दिवस के अवसर पर बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समारोह में एमबीबीएस प्रथम वर्ष परीक्षा 2024 के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मानित सूची में बिहारशरीफ की मान्या रंजन ने अपनी जगह बनाई है। मान्या ने पूरे राज्य में दूसरा रैंक हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि जिले का भी नाम रोशन किया है। मान्या रंजन, नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की छात्रा हैं। उन्होंने अपने कॉलेज में भी टॉप किया है। मान्या के माता–पिता, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. रंजना और डॉ. मनोज कुमार ने उनकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। डॉ. रंजना ने बताया कि बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों की एक संयुक्त परीक्षा आयोजित करता है। इसमें शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय स्तर पर सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष प्रथम स्थान पर पटना मेडिकल कॉलेज की कोमल कुमारी, द्वितीय स्थान पर मान्या रंजन और तृतीय स्थान पर समृद्धि भारती रही हैं। इन तीनों टॉपर्स को 26 जनवरी को बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।

एक ही रात में 5 जगहों पर चोरी, थाने के पास तीन दुकानों को बनाया निशाना

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा जिले में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात लहेरी और बिंद थाना क्षेत्रों में चोरी की पांच घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें चोरों ने दुकानों और घरों को निशाना बनाया। लहेरी थाना क्षेत्र में चोरों ने थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित सोहन कुआं इलाके में तीन दुकानों और एक घर में चोरी की।

चोर वेंटिलेशन के रास्ते दुकानों में घुसे और नकदी व अन्य सामान चुरा ले गए। पीड़ितों के अनुसार, कृष्णा साइबर कैफे, रौनक साइबर कैफे और एक किराना दुकान से करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी और अन्य सामान चोरी हुआ। वहीं, कोना. सराय में एक घर से 3.50 लाख रुपये की चोरी की घटना हुई।

बिंद थाना क्षेत्र के बकरा गांव में भी चोरी की घटना हुई है। रामजन्म केवट के घर में चोर छत के रास्ते घुसे और करीब सवा लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ले गए। उक्त घर में कोई नहीं रहता था, जिसका चोरों ने फायदा उठाया।

पुलिस ने घटनास्थलों पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक और बिंद थानाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। लोग अपने घरों और दुकानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय निवासियों ने पुलिस से चोरों को जल्द पकड़ने और रात्रि गश्ती बढ़ाने की मांग की है, ताकि वे सुरक्षित महसूस कर सकें।